Na [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] na 12 [illegible] na [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] na [illegible] [illegible] [illegible] 13[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] na [illegible] 19 [illegible] na [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] na [illegible] na 3[illegible], 6[illegible], 8[illegible], 11[illegible], 14[illegible], 17[illegible] na 19[illegible] [illegible] [illegible] na [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] 19-[illegible] [illegible] na [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] na [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

13[illegible] [illegible], [illegible] “[illegible] [illegible] (Adar II)” [illegible] [illegible] na, na [illegible] [illegible] [illegible] na [illegible] [illegible] [illegible] na na [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] na [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

निर्गमन 13:3 — “तब मूसा ने लोगों से कहा, ‘तुम इस दिन को स्मरण रखना जिस दिन तुम मिस्र से, दासत्व के घर से निकले थे, क्योंकि यहोवा ने अपने सामर्थ्य के हाथ से तुम को वहां से निकाला। इसलिए इस दिन तू खमीर उठी हुई रोटी न खाना।'” (ERV-HI)

एस्तेर 3:7 — “पहले महीने में, जो निसान का महीना है, राजा अहशवेरोष के बारहवें वर्ष में, हामान के सामने पुर (अर्थात चिट्ठी) डाला गया कि किस दिन और किस महीने में क्या किया
जाए; और चिट्ठी अदार के बारहवें महीने पर पड़ी।” (ERV-HI)

नहेम्याह 2:1 — “अरतक्षत्र राजा के बीसवें वर्ष के निसान महीने में जब उसके सामने दाखमधु रखा गया, तब मैं दाखमधु लेकर राजा को दिया।” (ERV-HI)

महीना 2: ईयार (सिव)

यह महीना अप्रैल–मई के बीच आता है। इस महीने राजा सुलैमान ने यहोवा के मंदिर का निर्माण आरंभ किया था।

1 राजा 6:1 — “इस्राएलियों के मिस्र देश से निकल आने के चार सौ अस्सीवें वर्ष में, सुलैमान के इस्राएल पर राज्य करने के चौथे वर्ष के दूसरे महीने (जो सिव महीना है) में उसने यहोवा का भवन बनाना आरंभ किया।” (ERV-HI)

महीना 3: सिवान
यह मई–जून के बीच आता है। इसी महीने में इस्राएलियों को सीनै पर्वत पर व्यवस्था प्राप्त हुई।

एस्तेर 8:9 — “तब उसी समय, तीसरे महीने में, जो सिवान का महीना है, तेईसवें दिन को राजा के सचिवों को बुलाया गया, और जैसा कि मोर्दकै ने आज्ञा दी थी, वैसा ही सब कुछ लिखा गया।” (ERV-HI)

महीना 4: तम्मूज़
यह जून–जुलाई के बीच आता है। भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने एक दर्शन में देखा कि स्त्रियाँ तम्मूज़ देवता के लिए विलाप कर रही थीं।

यहेजकेल 8:14 — “फिर वह मुझे यहोवा के भवन के उत्तर के फाटक
के प्रवेशद्वार पर लाया; और देखो, वहां स्त्रियाँ बैठी
तम्मूज़ के लिए विलाप कर रही थीं।” (ERV-HI)

महीना 5: आब (आव)
जुलाई–अगस्त के बीच आने वाला यह महीना शोक और स्मरण का होता है। इसी महीने एज्रा यरूशलेम पहुँचे थे।

एज्रा 7:8 — “और वह यरूशलेम को पाँचवें महीने में आया, जो
राजा के सातवें वर्ष का समय था।” (ERV-HI)

महीना 6: एलूल
यह अगस्त–सितंबर में आता है और प्रायश्चित तथा आत्म-जांच का समय होता है। इसी महीने नहेम्याह ने यरूशलेम की दीवार पूरी की थी।

नहेम्याह 6:15 — “सो भाद्रपद (एलूल) महीने की पच्चीसवीं तारीख को बावन दिन में शहरपनाह पूरी हो गई।” (ERV-HI)

महीना 7: तिश्री (एतानीम)
सितंबर–अक्टूबर के बीच यह महीना प्रमुख यहूदी पर्वों का समय होता है जैसे रोश हशाना, यौम किप्पुर और सूकोत। राजा सुलैमान ने भी इसी महीने में मंदिर का उद्घाटन किया था।

1 राजा 8:2 — “इस कारण इस्राएल के सब पुरूष राजा सुलैमान के पास एतानीम महीने में, जो सातवां महीना है, पर्व के समय,
एकत्र हुए।” (ERV-HI)

महीना 8: बुल
अक्टूबर–नवंबर के बीच आने वाला यह महीना मंदिर निर्माण की समाप्ति का समय था।

1 राजा 6:38 — “ग्यारहवें वर्ष के आठवें महीने (जो बुल
महीना है) में, जब उस भवन के सब अंग और सब बातों की व्यवस्था पूर्ण हो गई, तब वह भवन पूरा किया गया।” (ERV-HI)

महीना 9: किसलेव
नवंबर–दिसंबर के बीच, यह वह महीना था जब भविष्यवक्ता ज़कर्याह को परमेश्वर का वचन मिला।

जकर्याह 7:1 — “दार्यावेश राजा के चौथे वर्ष के नवें महीने, जो किसलेव है, की चौथी तारीख को यहोवा का वचन जकर्याह के पास पहुँचा।” (ERV-HI)

महीना 10: तेबेत
दिसंबर–जनवरी के बीच आने वाला महीना, जब रानी एस्तेर राजा के सामने लाई गई थीं।

एस्तेर 2:16 — “सो एस्तेर राजा अहशवेरोष के पास उसके राजभवन में, दसवें महीने (जो तेबेत है) में, उसके राज्य के सातवें
वर्ष में लाई गई।” (ERV-HI)

महीना 11: शेबात
जनवरी–फरवरी के बीच आने वाला यह महीना भी ज़कर्याह के दर्शन में वर्णित है।

जकर्याह 1:7 — “दार्यावेश के दूसरे वर्ष के ग्यारहवें
महीने, जो शेबात है, के चौबीसवें दिन को यहोवा का वचन
जकर्याह के पास पहुँचा।” (ERV-HI)

महीना 12: अदार (अदार I)
फरवरी–मार्च के बीच, यह महीना पुरिम पर्व का समय है, जो यहूदियों की हामान से बचाव की स्मृति में मनाया जाता है।

एस्तेर 3:7 — “…और चिट्ठी बारहवें महीने (जो अदार है) पर पड़ी।” (ERV-HI)

महीना 13: अदार II
लीप वर्ष में एक अतिरिक्त महीना “अदार द्वितीय” जोड़ा जाता है, जिससे पर्वों की ऋतुओं के साथ संगति बनी रहती है। यदि ऐसा न हो तो फसह जैसे पर्व गलत समय पर आ सकते हैं और अपने ऐतिहासिक अर्थ को खो सकते हैं।

मसीही किस कैलेंडर का पालन करें?
यह प्रश्न उठता है कि मसीही यहूदी कैलेंडर का पालन करें या ग्रेगोरियन का? सच्चाई यह है: कोई भी कैलेंडर हमें परमेश्वर के निकट नहीं लाता। महत्व इस बात का है कि हम अपने समय का उपयोग कैसे करते हैं।

इफिसियों 5:15–16 — “इसलिए ध्यान से देखो कि तुम किस रीति
से चल रहे हो न कि मूर्खों की तरह, परन्तु बुद्धिमानों की तरह। समय को भुना लो, क्योंकि दिन बुरे हैं।” (ERV-HI)

जब हम परमेश्वर की इच्छा के अनुसार जीवन जीते हैं — पवित्रता में, प्रार्थना में, आराधना में, उसके वचन का अध्ययन करते हुए, और विश्वासयोग्य सेवा में — तब हम अपने समय का सही उपयोग करते हैं।

प्रभु तुम्हें आशीष दे जब तुम बुद्धिमानी से चलते हुए हर क्षण का सदुपयोग करते हो।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp